Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **4**

(1108)

UGC (CBCS) Ist Semester (New) Examination

1491

SANSKRIT

[Upnishad Evam Gita (AECC)]

SKT AECC–111

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : {Regular : 70, ICDEOL : 100**

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कोष्ठक में दिए गए अंक ICDEOL के परीक्षार्थियों के लिए हैं।

खण्ड-क

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक पद अथवा अति संक्षेप में लिखिए :

   (i) ईशावास्योपनिषद् में कुल कितने मन्त्र हैं ?

   (ii) उपनिषद् शब्द का क्या अर्थ है ?

   (iii) सभी प्रमुख उपनिषदों के भाष्यकार कौन हैं ?

   (iv) ईशावास्योपनिषद् में विद्या शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(v) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारत के किस पर्व में वर्णित है ?

(vi) श्रीकृष्ण के शंख का क्या नाम था ?

(vii) श्रीमद्भगवद्गीता में मनुष्य का अधिकार किसमें नहीं बताया गया है ?

(viii) रिक्त-स्थान की पूर्ति कीजिए :

.... योग उच्यते।

(ix) भारतीय परम्परा के अनुसार उपनिषदों की कुल संख्या कितनी है ?

(x) 'सत्यमेव जयते' यह आदर्श वाक्य किस उपनिषद् से लिया गया है ? 10×1=10

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) सम्भूति और अम्भूति किसे कहते हैं ?

(ii) ईशावास्योपनिषद् के अनुसार सांसारिक पदार्थों का उपभोग किस प्रकार करना चाहिए ?

(iii) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर निष्काम कर्मयोग का वर्णन कीजिए।

(iv) युद्धक्षेत्र में पहुँचकर अर्जुन युद्ध करने से क्यों इन्कार कर देता है ?

(v) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा की नित्यता का वर्णन कीजिए। 5×4=20
(5×6=30)

+

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **तीन** (ICDEOL के लिए **चार**) श्लोकों का प्रसंग सहित सरलार्थ कीजिए–

   (i) कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः।
   तवं त्वयि नान्यथेतोऽस्ति न कर्म लिप्यते नरे॥

   (ii) विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।
   अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते॥

   (iii) अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
   गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डिताः॥

   (iv) प्रजहाति यदा कामान् सर्वान् पार्थ मनोगतान्।
   आत्मन्येवात्मा तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते॥

   (v) यावानर्थ उदपाने सर्वतः संप्लुतोदके।
   तावान्सर्वेषु वेदेषु ब्राह्मणस्य विजानतः॥

5×3=15
(4×5=20)

खण्ड-ग

3. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** (ICDEOL के लिए किन्हीं **दो**) की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

   (i) यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्नेवानुपश्यति।

   (ii) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनं।

   (iii) संभावितस्य चाकीर्तिर्मरणादतिरिच्यते।

1×5=5
(2×5=10)

खण्ड-घ

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(क) ईशावास्योपनिषद् पर एक परिचयात्मक विस्तृत लेख लिखिए।

अथवा

(ख) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के वर्ण्य-विषय पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 1×10=10 (1×15=15)

खण्ड-ङ

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(क) औपनिषदिक दर्शन के अनुसार 'ब्रह्म' के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(ख) उपनिषदों में वर्णित 'कर्म सिद्धान्त' को स्पष्ट कीजिए। 1×10=10 (1×15=15)